ई संदेश

18 जून, 2026 | अंक - 210

सात दिन, सात पृष्ठ

विकसित भारत के संकल्प और जनकल्याणकारी उपलब्धियों को समर्पित भारत सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 11 जून, 2026 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

- नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ने रखी उत्तर प्रदेश के विकास की मजबूत पैरवी
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक बसों का शुभारम्भ: ग्रीन मोबिलिटी और वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर से समृद्ध हो रहा उत्तर प्रदेश
- प्रधानमंत्री के 12 वर्ष के सुशासन से देश व प्रदेश में हुआ युगांतकारी परिवर्तन: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर वाराणसी में जन कल्याण शिविर का भव्य आयोजन: मुख्यमंत्री ने बांटे स्वीकृति पत्र और टूलकिट
- गोरखपुर के चिल्लूपार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी 295 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात
- आजमगढ़ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी 955 करोड़ रुपये की 39 ऐतिहासिक परियोजनाओं की सौगात
- विकास का मॉडल बना गोरखपुर: 926 करोड़ रुपये की 226 परियोजनाओं की सौगात और 'सुपोषण मिशन' का शुभारंभ
- ऐतिहासिक उड़ान: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली व्यावसायिक फ्लाइट में लखनऊ पहुंचे अन्नदाता किसान मुख्यमंत्री ने कहा- जेवर बना विकास का नया वैश्विक केंद्र
- डिजिटल वॉरियर के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस को मिली नई ताकत: मुख्यमंत्री ने 930 कम्प्यूटर ऑपरेटरों को सौंपे नियुक्ति पत्र

नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ने रखी उत्तर प्रदेश के विकास की मजबूत पैरवी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 11 जून, 2026 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विगत 12 वर्षों में अपने यशस्वी नेतृत्व, दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं अथक परिश्रम से भारत को वैश्विक मंच पर एक नई वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

बैठक में मुख्यमंत्री जी ने 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की संकल्पना के तहत राज्य के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रस्तावों को प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री जी ने विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन की सराहना करते हुए देश को वैश्विक मंच पर मिली नई पहचान के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने 'राष्ट्र प्रथम' और आत्मनिर्भरता के संकल्पों को देश की प्रगति का मुख्य आधार बताया। राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए 'विकसित उत्तर प्रदेश/2047 विजन डॉक्युमेण्ट' के सफल क्रियान्वयन की दिशा में उन्होंने नीति आयोग एवं भारत सरकार से सकारात्मक सहयोग का अनुरोध किया।

प्रदेश में बुनियादी ढांचे और बाल विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जी ने आंगनवाड़ी केन्द्रों को आधुनिक बालवाटिका (प्री-प्राइमरी) के रूप में विकसित करने के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा निर्धारित भवन निर्माण लागत के पुनरीक्षण की मांग करते हुए इसे केवल महिला एवं बाल विकास विभाग के एकल मद के अंतर्गत संचालित करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, गर्भवती माताओं और बच्चों के पोषण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उन्होंने वर्ष 2017 से अपरिवर्तित टेक होम राशन की लागत मानकों को थोक मूल्य सूचकांक से जोड़ने का प्रस्ताव रखा, जिससे दरें वर्तमान बाजार के अनुरूप व्यावहारिक रह सकें।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समानता और सुलभता सुनिश्चित करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने समग्र शिक्षा योजना के दायरे को बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने अनुरोध किया कि योजना के आगामी संशोधन में उत्तर प्रदेश के 4,512 राज्य-वित्तपोषित अनुदानित विद्यालयों को भी सम्मिलित किया जाए ताकि साधारण परिवारों के विद्यार्थी इस लाभ से वंचित न रहें। स्वास्थ्य क्षेत्र में उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की प्रीमियम राशि को वर्तमान वास्तविक लागत के आधार पर बढ़ाकर 2,400 रुपये प्रति परिवार करने के प्रस्ताव पर शीघ्र स्वीकृति मांगी। इसके साथ ही, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड के लगभग 9 करोड़ नागरिकों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए दोनों क्षेत्रों में एक-एक नए एम्स (AIIMS) की स्थापना के प्रस्ताव को भी जल्द मंजूरी देने का अनुरोध किया।

उत्तर प्रदेश को भविष्य की तकनीकों का मुख्य केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री जी ने केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य को सेमीकण्डक्टर, रोबोटिक्स और फोटोनिक्स के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की योजना प्रस्तुत की। उन्होंने अवगत कराया कि ग्रेटर नोएडा में एक समर्पित 'रोबोटिक्स क्लस्टर' विकसित करने के लिए 75 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है, जिसके विश्वस्तरीय प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु वित्तीय और तकनीकी सहायता की आवश्यकता है। इसके अलावा, राज्य में वज्रपात (आकाशीय बिजली) से होने वाली जन-धन की हानि को न्यूनतम करने तथा आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के लिए एक समर्पित सैटेलाइट उपलब्ध कराने का विशेष अनुरोध भी भारत सरकार के समक्ष रखा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक बसों का शुभारम्भः ग्रीन मोबिलिटी और वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर से समृद्ध हो रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 12 जून, 2026 को अपने सरकारी आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद गौतमबुद्धनगर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यीडा प्राधिकरण क्षेत्र में संयुक्त रूप से नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर तक संचालित होने वाली उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की 45 इलेक्ट्रिक बसों का फ्लैग ऑफ किया तथा नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ग्रीन मोबिलिटी और सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट के विजन को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में बेहद उपयुक्त बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस दूरदर्शी विजन को धरातल पर उतारने के लिए निरन्तर कार्य कर रही थी।

प्रदेश में ग्रीन व क्लीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में मुख्यमंत्री जी ने उल्लेख किया कि राज्य के 17 नगर निगमों में 700 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सुचारु रूप से चल रहा था। गौतमबुद्धनगर जनपद में परिवहन सेवा सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 15 जून तक इस बेड़े को 110 तक पहुँचाने तथा मांग के अनुरूप इसे 500 इलेक्ट्रिक बसों तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया। परिवहन कनेक्टिविटी को सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पहुँचाने के लिए परिवहन विभाग को 500 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई। पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था के अन्तर्गत प्रदेश में दो इलेक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरिंग प्लाण्ट की स्थापना तथा यमुना अथॉरिटी में एन0टी0पी0सी0 के सहयोग से संचालित तीन नवीन हाइड्रोजन बसों की आधुनिक तकनीक को उन्होंने वायु प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

वर्ष 2017 के पश्चात उत्तर प्रदेश में हुए ढांचागत सुधारों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य वर्ल्ड क्लास रोड और एयर कनेक्टिविटी के रूप में स्थापित हुआ। वर्तमान में 04 लाख किलोमीटर के सुदृढ़ सड़क नेटवर्क के साथ प्रदेश में देश का सबसे बेहतरीन सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद था। गंगा एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-मेरठ 12 लेन एक्सप्रेस-वे ने जहाँ यातायात को सुगम बनाया, वहीं लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण भी शीघ्र होने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त, देश के 20 शहरों तथा प्रदेश के 07 शहरों में मेट्रो और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का संचालन राज्य की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाया गया।

वायु सेवा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 15 जून, 2026 से भारत के सबसे बड़े नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन प्रारम्भ होने की तैयारी पूर्ण थी, जो नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ-साथ देश के सबसे बड़े आई0टी0 एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स हब, कारगो और एम0आर0ओ0 हब के रूप में स्थापित होने जा रहा था। उन्होंने अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि इण्टरनेशनल एयरपोर्ट सहित लखनऊ, काशी, कुशीनगर और मात्र 11 महीने में तैयार हुए प्रयागराज एयरपोर्ट की सफलता का विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके साथ ही, नेट जीरो और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को गति देने के लिए विश्व बैंक की सहायता से 2,741 करोड़ रुपये की लागत वाले 'उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेन्ट प्रोजेक्ट' (यू0पी0 कैम्प) तथा वर्ष 2017 से लगाई गई 15 लाख से अधिक एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइटों के योगदान को उन्होंने अत्यंत उपयोगी बताया।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष के सुशासन से देश व प्रदेश में हुआ युगांतकारी परिवर्तन: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिनांक 12 जून, 2026 को प्रधानमंत्री के सुशासन को समर्पित निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि देश में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान की ओर अग्रसर नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारतवासियों ने विकास और अंत्योदय के एक स्वर्णिम कालखंड को देखा है। उन्होंने कहा कि इन 12 वर्षों में भारत की एक ऐसी सुदृढ़ तस्वीर वैश्विक पटल पर उभरकर सामने आई है, जिसमें वर्ष 2014 के पूर्व और पश्चात के कालखंड में स्पष्ट एवं युगांतकारी परिवर्तन परिलक्षित होता है। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अंत्योदय और विकास के परम लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश ने पूरी तत्परता के साथ अपनी नीतिगत दिशा को आगे बढ़ाया है, जिसके अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते हुए गौरव, मान और कूटनीतिक प्रभुत्व की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक दीर्घकाल तक देश की सेवा करने वाले यशस्वी नेतृत्व की वैश्विक मंचों और प्रमुख राष्ट्रप्रमुखों ने भी मुक्तकंठ से सराहना की है तथा उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण व दृढ़ इच्छाशक्ति का लोहा माना है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति आदरयुक्त शुभेच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य का प्रत्येक नागरिक 'राष्ट्र प्रथम' के मूल भाव से निरंतर अनुप्राणित होकर आत्मनिर्भर भारत के विराट संकल्प को धरातल पर सफल बनाने में अपना संपूर्ण योगदान दे रहा है। इसी सुविचारित कार्ययोजना के अंतर्गत 'उत्तर प्रदेश विजन डॉक्यूमेंट-2047' की रूपरेखा तैयार कर विकास कार्यक्रमों को गति प्रदान की गई है, जिसके माध्यम से राज्य को वर्ष 2030 तक 01 ट्रिलियन डॉलर, वर्ष 2036 तक 02 ट्रिलियन डॉलर और वर्ष 2047 तक 05 ट्रिलियन डॉलर की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने का महत्वाकांक्षी एवं सुनिश्चित लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विगत 12 वर्षों में एक व्यापक जन-आंदोलन के रूप में परिणत हुईं लोक-कल्याणकारी योजनाओं का प्रामाणिक विवरण प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ परिवारों को शौचालय, 04 करोड़ परिवारों को पक्के आवास, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये का निशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवच, तथा देश के युवाओं व महिलाओं के स्वावलंबन के लिए संचालित मुद्रा, स्टैंड-अप और स्टार्टअप जैसी युगप्रवर्तक योजनाओं ने देश को वैश्विक स्तर पर एक सर्वथा नई पहचान दी है। इन जनकल्याणकारी अभियानों से उत्तर प्रदेश सर्वाधिक लाभान्वित होने वाला राज्य बना है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के 65 लाख परिवारों को पक्के आवास, 03 करोड़ परिवारों को गरिमा गृह (शौचालय), 02 करोड़ परिवारों को निशुल्क एलपीजी कनेक्शन तथा 15 करोड़ जरूरतमंद लोगों को निशुल्क राशन और आयुष्मान योजना की सर्वसुलभ सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 09 वर्षों की अवधि में पूरी शुचिता और पारदर्शिता के साथ प्रत्येक क्षेत्र में 09 लाख युवाओं को सम्मानजनक सरकारी नौकरियों से जोड़ा तथा राज्य की सशक्त एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से 03 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार के अप्रत्याशित अवसर उपलब्ध कराए।

महिला सशक्तिकरण एवं युवा विकास के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के राष्ट्रव्यापी अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य की विभिन्न कार्यशालाओं व व्यावसायिक उपक्रमों में महिलाओं की भागीदारी में 12 प्रतिशत से 36 प्रतिशत तक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई तथा पुलिस बल में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत पद अनिवार्य रूप से आरक्षित किए गए। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, जिसके अंतर्गत अब तक 05 लाख से अधिक निर्धन बेटियों के गरिमामय

विवाह संपन्न कराए जा चुके हैं, जैसी अभिनव पहलों ने बेटियों के सामाजिक और आर्थिक जीवन स्तर में क्रांतिकारी सुधार का मार्ग प्रशस्त किया। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सुदृढ़ संबल प्रदान करते हुए 'घरौनी' ग्रामीण अभिलेखों के माध्यम से भूमि व आवास पर मालिकाना हक प्रदान किया गया। युवाओं के मानसिक, व्यावहारिक और बौद्धिक उन्नयन के लिए 'परीक्षा पर चर्चा' जैसी नवोन्वेषी पहलों, पीएम श्रमिक योजना और खेलो इंडिया प्रोग्राम के माध्यम से निरंतर सकारात्मक संवाद स्थापित किया गया।

प्रदेश के कृषि क्षेत्र और अन्नदाताओं के कल्याणार्थ उठाए गए दूरगामी कदमों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में सॉयल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया, जिससे राज्य की 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सुनिश्चित सिंचाई की उत्तम सुविधा प्राप्त हुई। वर्तमान में प्रदेश के 03 करोड़ से अधिक सीमांत एवं लघु किसानों को सीधे तौर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का निरंतर लाभ प्राप्त हो रहा है और किसानों को उनकी फसलों की लागत के अनुपात में लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित कराया जा रहा है। अकेले गन्ना किसानों को 3,22,000 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड मूल्य का भुगतान पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे उनके बैंक खातों में किया गया तथा 15 लाख निजी नलकूप धारक किसानों को निशुल्क बिजली की अत्यंत जनोपयोगी सुविधा प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने संकट काल में प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व की घोषणा करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान मोदी ने देश के साथ सतत संवाद कर दुनिया के सामने बेहतरीन 'कोविड प्रबंधन का मॉडल' पेश किया और हर नागरिक को मुफ्त परीक्षण, टीकाकरण, राशन और चिकित्सा की सुविधा दी। आजादी के अमृत महोत्सव पर देश के 140 करोड़ नागरिकों को 'हर घर ध्वज' अभियान से एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने ऐसा पहली बार हुआ है, जब प्रधानमंत्री जी के आवास के पास स्थित सड़क का नाम 07, रेस कोर्स रोड से बदलकर लोक कल्याण मार्ग तथा राजपथ का नाम कर्तव्य पथ रखा गया है। प्रदेश के राजभवन का नाम जन भवन रखा गया है। यह गुलामी के अंशों को समाप्त करने का भाव है।। साथ ही अयोध्या में भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और केदारपुरी के पुनरुद्धार सहित लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण की आस्था और विरासत के सम्मान का अद्भुत उदाहरण बताया गया है।

अंत में, रक्षा क्षेत्र और संवैधानिक कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो नक्सलवाद भारत को दंश दे रहा था, आज वह नष्ट हो चुका है। पहले दुश्मन, देश की सीमाओं में घुसपैठ करता था। लोग देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करते थे। सैनिकों का मनोबल गिराते थे। अब दुस्साहस करने वाले दुश्मन के घर में घुस कर मारा जाता है। ऑपरेशन सिन्दूर इसका उदाहरण है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इससे पूर्व, सर्जिकल तथा एयर स्ट्राइक ने दुश्मन देश के होश उड़ा दिये थे। पहले कोई नहीं सोचता था कि रक्षा उत्पादन में भारत आत्मनिर्भर बनेगा। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के माध्यम से भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। पिछली सरकारें पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार थीं। वह भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बनने देना चाहती थीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन के कारण उत्तर प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर का निर्माण हुआ। राज्य को 35,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा निवेश प्रस्ताव मिले हैं और लखनऊ में तैयार हो रही है ब्रह्मोस मिसाइलें देश की सामरिक शक्ति का लोहा मनवा रही हैं। वैश्विक स्तर पर वैश्वीकरण और ऊर्जा संकट के बावजूद भारत मजबूती के साथ अपने नागरिकों को ईंधन की आपूर्ति कर रहा है। उन्हें महंगाई से बचाने के लिए मजबूती के साथ कदम बढ़ा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप स्थापित हो रही है।। पिछले 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय और बजट के आंकड़ों को तीन गुना दर्शाया है, देश की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक आदर्श मॉडल स्थापित किया गया है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर वाराणसी में जन कल्याण शिविर का भव्य आयोजन: मुख्यमंत्री ने बांटे स्वीकृति पत्र और टूलकिट

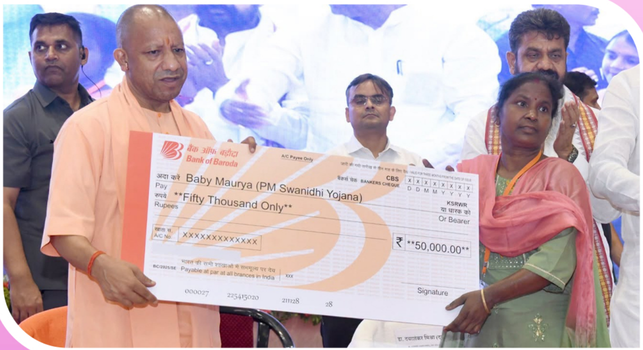

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 12 जून, 2026 को वाराणसी में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल जन कल्याण शिविर एवं लाभार्थी स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी काशी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हर देशवासी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने स्मरण कराते हुए कहा कि 12 वर्ष पूर्व नए भारत को एक सशक्त नेतृत्व प्रदान करने के लिए वाराणसी ने ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को अपने सांसद के रूप में चुना था। आज काशी का नाम पूरी दुनिया में गूंज रहा है और देश का सर्वाधिक लंबे समय तक नेतृत्व करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उनका यह नया रिकॉर्ड संपूर्ण राष्ट्र के लिए अत्यंत उत्साहजनक है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी को उनके 12 वर्ष के सफल और ऐतिहासिक कार्यकाल की बधाई देते हुए कहा कि आज दुनिया का कोई भी राष्ट्राध्यक्ष जब इस कालखंड को देखता है, तो वह उत्तर प्रदेश और विशेष रूप से काशीवासियों का भी स्मरण करता है, जिन्हें प्रधानमंत्री जी के परिश्रम और दूरदर्शिता का सीधा लाभ मिल रहा है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 'पीएम स्वनिधि योजना' के तहत अनेक स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण के प्रतीकात्मक चेक तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं टूलकिट वितरित किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्ष 2014 से पूर्व हमारा देश अविश्वास और दृढ़ संकल्प के अभाव का सामना कर रहा था, लेकिन आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक छवि अत्यंत सशक्त हुई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपनी सभी कल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह से गरीबों, महिलाओं, युवाओं और अन्नदाता किसानों के उत्थान को समर्पित किया है। जन-धन खातों, आधार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के बेहतरीन समन्वय से डीबीटी (DBT) का सफल और पारदर्शी प्रयोग सुनिश्चित किया गया है, जिससे बिचौलियों का पूरी तरह से अंत हुआ और सरकारी अनुदान की शत-प्रतिशत राशि सीधे गरीबों के बैंक खातों में पहुंचने लगी।

सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत 12 करोड़ गरीब परिवारों को शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ परिवारों को पक्के घर और आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया गया।

कोरोना जैसी भयंकर वैश्विक महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में भी सरकार ने 'सबका साथ-सबका विकास' के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन तथा मुफ्त उपचार व टीकाकरण की संजीवनी उपलब्ध कराई। इसके साथ ही 'स्वामित्व (घरौनी) योजना' के माध्यम से 3 करोड़ परिवारों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक मिला और 'लखपति दीदी' योजना के तहत 10 करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुआ है।

देश के बुनियादी ढांचे में आए क्रांतिकारी बदलावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहले जहाँ केवल देश के 5 शहरों में मेट्रो सुविधा थी, वहीं आज 20 शहरों में (जिनमें अकेले उत्तर प्रदेश के 7 शहर शामिल हैं) मेट्रो सफलतापूर्वक दौड़ रही है। वाराणसी से हल्दिया के बीच देश का पहला इनलैंड वॉटर-वे (जलमार्ग) संचालित हो रहा है, जिसने व्यापार के नए द्वार खोले हैं। वहीं दूसरी ओर पीएम स्वनिधि योजना ने वाराणसी सहित देशभर के लाखों स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक संबल प्रदान कर उनके जीवन को नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि आज श्री काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और मां विंध्यवासिनी धाम के भव्य निर्माण तथा वर्ष 2025 के अलौकिक महाकुंभ के सफल आयोजन से देश में सनातन आस्था का सच्चा सम्मान हो रहा है। वंदे भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों के संचालन के साथ-साथ आज देश मजबूत अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तिकरण के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री जी के यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व में हमारा देश भ्रष्टाचार और गरीबी से पूरी तरह मुक्त होकर एक शानदार एवं स्वर्णिम विकास यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गोरखपुर के चिल्लूपार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी 295 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 13 जून, 2026 को जनपद गोरखपुर के चिल्लूपार विधान सभा क्षेत्र में 295 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 319 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि सुशासन और सुरक्षा के बेहतरीन माहौल से ही विकास और अर्थव्यवस्था को सही गति प्राप्त होती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा महिलाओं की गोदभराई व बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया।

धुरियापार क्षेत्र के औद्योगिक कायाकल्प का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बंद चीनी मिल की भूमि पर स्थापित सीएनजी प्लांट और 'ग्रेटर गीडा' के विस्तार से इस क्षेत्र में निवेश का नया युग प्रारम्भ हुआ है। यहाँ सीमेंट फैक्ट्री, पावर प्लांट और अत्याधुनिक डिस्टलरी की स्थापना की कार्यवाही गतिमान है। इन उद्योगों की स्थापना से स्थानीय युवाओं के लिए उनके घर के समीप ही रोजगार के अपार अवसर सृजित होंगे और उन्हें आजीविका के लिए देश-विदेश पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए सरकार विभिन्न कौशल विकास संस्थानों की स्थापना भी सुनिश्चित करेगी।

कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में दंगा, अव्यवस्था और माफियागिरी का बोलबाला था, योग्यता के बावजूद युवाओं को नौकरियों में पक्षपात का सामना करना पड़ता था। किन्तु आज डबल इंजन की सरकार में माफियाओं पर कठोर कार्रवाई हुई है और प्रदेश में व्यापारी व बेटियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। राम-जानकी मार्ग और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे जैसे प्रोजेक्ट्स से चिल्लूपार की कनेक्टिविटी अत्यंत मजबूत हुई है, जिससे आवागमन सुगम हुआ है। विकास की इस तीव्र प्रक्रिया के साथ-साथ सरकार अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर और श्री काशी विश्वनाथ धाम निर्माण जैसे कार्यों के माध्यम से सांस्कृतिक आस्था व विरासत का भी पूरा सम्मान कर रही है। कार्यक्रम में केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री कमलेश पासवान ने भी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गोरखपुर क्षेत्र के ऐतिहासिक और चहुंमुखी विकास की विस्तार से सराहना की।

आजमगढ़ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी 955 करोड़ रुपये की 39 ऐतिहासिक परियोजनाओं की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 13 जून, 2026 को जनपद आजमगढ़ में विधान सभा सदर आजमगढ़ तथा मुबारकपुर की 955 करोड़ रुपये लागत की 39 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र व प्रतीकात्मक चेक भी वितरित किए।इस अवसर पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में देशवासी नए भारत का दर्शन कर रहे हैं और पूरी दुनिया आज भारत के तेज विकास का लोहा मान रही है।

आजमगढ़ के गौरवशाली इतिहास को नमन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्र और नया भारत अब गुलामी की मानसिकता और विदेशी आक्रांताओं के प्रतीकों को कतई स्वीकार नहीं करेगा। डबल इंजन की सरकार ने पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की नीतियों को समाप्त कर बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक बनवाया है। इसी श्रृंखला में आजमगढ़ में उनके नाम पर एक शानदार विश्वविद्यालय का निर्माण किया गया है, जहां उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित कर उनके शौर्य को सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी।

विकास और सुशासन की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि आज आजमगढ़ में एयरपोर्ट और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ की दूरी अब कुछ ही घंटों में तय हो रही है। तीव्र गति की इस कनेक्टिविटी ने क्षेत्र की प्रगति को नई उड़ान दी है। इसके साथ ही, 'एक जनपद एक उत्पाद' (ODOP) योजना के तहत आजमगढ़ की प्रसिद्ध ब्लैक पॉटरी, साड़ियों के कारोबार और हरिहरपुर के शास्त्रीय संगीत घराने को वैश्विक मंच और नई पहचान मिली है। डबल इंजन सरकार की नीतियों के कारण आज हस्तशिल्पियों, कारीगरों और किसानों की आमदनी कई गुना बढ़ गई है, जिससे वे अब समाज में सम्मानपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 सेपहले आजमगढ़ पहचान के संकट से जूझ रहा था। उस दौर में न अच्छी सड़कें थीं, न युवाओं के लिए निष्पक्ष रोजगार और न ही आधी आबादी के लिए सुरक्षा। लेकिन आज उत्तर प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। निराश्रित महिलाओं और बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाई गई है, बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की मुफ्त पढ़ाई और उनके विवाह की व्यवस्था 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के तहत की जा रही है। गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए 'अटल आवासीय विद्यालय' बनाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज है; यदि किसी ने भी गरीब की जमीन हड़पने, व्यापारी को परेशान करने या महिलाओं की सुरक्षा में सेंध लगाने का दुस्साहस किया, तो उसे इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री जी ने आजमगढ़ में नवीन संभावनाओं की चर्चा भी की। उन्होंने कहा कहा कि यहां नवोदित कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए फिल्मों की शूटिंग की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने आजमगढ़ विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया कि पुरानी जेल की भूमि पर एक अत्याधुनिक और भव्य कन्वेंशन सेंटर बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे जिले के विकास को और अधिक गति मिल सके। आज डबल इंजन की सरकार के दृढ़ संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश और आजमगढ़, दोनों ही एक सुरक्षित, समृद्ध और गौरवशाली विकास यात्रा पर निरंतर अग्रसर हैं।

विकास का मॉडल बना गोरखपुर: 926 करोड़ रुपये की 226 परियोजनाओं की सौगात और 'सुपोषण मिशन' का शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 14 जून, 2026 को वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में गोरखपुर महानगर के समग्र विकास के लिए 926 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 226 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में केंद्र सरकार के शानदार 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं, और आज पूरे देश में विकास, सुशासन तथा जनसेवा का एक उत्कृष्ट मॉडल देखने को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री जी के इस महान विजन को धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में प्रदेश के 'सुपोषण मिशन' के द्वितीय चरण का भी सफलतापूर्वक शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से राज्य के लगभग 2 करोड़ बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव रखी गई। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को 'टेक होम राशन' (THR) के तहत नवीन अनुपूरक पुष्टाहार वितरित किए और विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी सौंपे।

कार्यक्रम के दौरान बाल विकास और पोषण पर आधारित एक ज्ञानवर्धक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथों से छोटे बच्चों का अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बचपन सुरक्षित होगा, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः ही मजबूत हो जाएगा। सुपोषण मिशन के द्वितीय चरण में अब 70 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों को बाल वाटिका के रूप में विकसित कर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को खेल-खेल में अक्षर ज्ञान और उत्तम पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम से पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में नवनिर्मित अत्याधुनिक एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान एवं पवेलियन का अवलोकन किया, वहां उपस्थित खिलाड़ियों से उत्साहवर्धक संवाद किया और परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

गोरखपुर में हुए अभूतपूर्व बदलावों पर गर्व जताते हुए मुख्यमंत्री जी ने याद दिलाया कि आज से 9 वर्ष पूर्व यह क्षेत्र इंसेफेलाइटिस जैसी जानलेवा बीमारी, बदहाल सड़कों, जलभराव और खौफ के लिए जाना जाता था। पूर्व की सरकारों में युवा बेरोजगार थे और चिकित्सा व्यवस्था स्वयं बीमार थी। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार के दृढ़ संकल्प से गोरखपुर की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। यहां इंसेफेलाइटिस का पूरी तरह खात्मा हो चुका है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज का कायाकल्प हुआ है और बंद पड़ा फर्टिलाइजर कारखाना अब किसानों को समय पर खाद उपलब्ध करा रहा है। एम्स अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा है और रामगढ़ताल व चिलुआताल पर्यटन के नए और शानदार केंद्र बनकर उभरे हैं। आज बेहतरीन फोर-लेन सड़कों और एयर कनेक्टिविटी के कारण गोरखपुर से लखनऊ और वाराणसी का सफर महज चंद घंटों में सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से पूरा हो रहा है।

नए भारत के इस नए उत्तर प्रदेश की गौरवशाली विकास यात्रा का वर्णन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में आज उत्तर प्रदेश का अभूतपूर्व सम्मान बढ़ा है। जो प्रदेश कभी बीमारू राज्य की श्रेणी में था, वह आज एक्सप्रेस-वे, मेट्रो और बेहतरीन इंटरस्टेट कनेक्टिविटी के साथ देश की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनकर अपनी क्षमता का लोहा मनवा रहा है। सरकार की पारदर्शी नीतियों के चलते युवाओं को रोजगार मिल रहा है, व्यापारी सुरक्षित हैं और हर गरीब को आवास व शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन के अंत में विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की यह विकास यात्रा अब बिना रुके, बिना थके और बिना झुके अनवरत आगे बढ़ती रहेगी तथा गोरखपुर पूरे देश के लिए विकास का एक सर्वोत्कृष्ट मॉडल बनकर उभरेगा।

ऐतिहासिक उड़ान: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली व्यावसायिक फ्लाइट में लखनऊ पहुंचे अन्नदाता किसान, मुख्यमंत्री ने कहा- जेवर बना विकास का नया वैश्विक केंद्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 15 जून, 2026 को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर) के निर्माण के लिए सहर्ष अपनी भूमि समर्पित करने वाले अन्नदाता किसानों से आत्मीय संवाद किया। ये भारत के सबसे अधिक संभावनाओं वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली कॉमर्शियल (व्यावसायिक) फ्लाइट के शुरू होने का अवसर था, जिसमें उड़ान भरकर 28 महिला किसानों सहित कुल 170 अन्नदाता किसान लखनऊ पहुंचे थे।

'किसानों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह दिन जेवर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूरे देश के एविएशन सेक्टर के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बन गया है। उन्होंने इस अभूतपूर्व उपलब्धि का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और किसानों के अटूट विश्वास को दिया। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की सरकार जो बोलती है, वह हर हाल में पूरा करके दिखाती है और 'सबका साथ, सबका विकास' का यह अभियान निरंतर ऐसे ही आगे बढ़ता रहेगा।

पुरानी स्मृतियों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि जब जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रस्ताव पारित हुआ था, तब भूमि अधिग्रहण एक बड़ी चुनौती मानी जा रही थी। शुरुआत में किसान असमंजस में थे, लेकिन सरकार ने किसानों के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में सीधा और पारदर्शी संवाद किया। स्थानीय विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह, यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) और नागरिक उड्डयन विभाग के बेहतरीन समन्वय तथा किसानों के भरोसे के कारण ही 13 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर एयरपोर्ट के प्रथम चरण का कार्य बिना किसी विरोध या प्रदर्शन के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सका। मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि अवसर का सही लाभ उठाने वाले ही इतिहास रचते हैं और जेवर के किसानों ने विकास का साथ देकर वास्तव में एक नया इतिहास रचा है।

जेवर के अत्याधुनिक स्वरूप और भविष्य की संभावनाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज दुनिया का हर बड़ा निवेशक जेवर की तरफ आकर्षित हो रहा है। यह एयरपोर्ट भारत का पहला सबसे बड़ा कार्गो और एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉलिंग (MRO) का केंद्र बनने जा रहा है। अब तक विमानों की मरम्मत के लिए सिंगापुर और दुबई जाना पड़ता था, लेकिन अब यह विश्वस्तरीय सुविधा जेवर में ही उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, बेहतरीन कार्गो सुविधा के शुरू होने से स्थानीय किसानों के उत्पादों, जैसे आम, सब्जियां और मत्स्य उत्पादों को सीधे वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जा सकेगा, जिससे उन्हें अपनी उपज की कई गुना अधिक कीमत प्राप्त होगी।

क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यहां आने वाले भारी निवेश और युवाओं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए यमुना अथॉरिटी ने टाटा समूह के साथ मिलकर लगभग सवा दो सौ करोड़ रुपये की लागत से एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने की कार्यवाही शुरू कर दी है, जहाँ आधुनिक तकनीक पर आधारित ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि जेवर क्षेत्र में एक शानदार ट्रॉमा सेंटर के साथ-साथ मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल और खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए स्टेडियम का निर्माण भी कराया जाएगा।

वर्ष 2017 से पहले के हालात को याद करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले जेवर आपराधिक गतिविधियों का केंद्र था और बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव था, लेकिन आज यहां दुनिया के पांच बड़े विश्वविद्यालय अपने कैंपस स्थापित करने आ रहे हैं। आज का जेवर फिल्म सिटी, टॉय पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और सेमीकंडक्टर यूनिट जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस एक आधुनिक स्मार्ट सिटी बन चुका है। संवाद के दौरान उपस्थित सभी किसानों ने भी बिना किसी विवाद के इतने विशाल प्रोजेक्ट के साकार होने पर सरकार और मुख्यमंत्री जी के शानदार नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया।

डिजिटल वॉरियर के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस को मिली नई ताकत: मुख्यमंत्री ने 930 कम्प्यूटर ऑपरेटरों को सौंपे नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 जून, 2026 को लोक भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कम्प्यूटर ऑपरेटरों (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप प्रदेश पुलिस बल ने सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में बेहतरीन कार्य किया और आज यह देश में मॉडल पुलिसिंग का शानदार उदाहरण बन चुका है। नवचयनित ऑपरेटरों को उन्होंने 'डिजिटल वॉरियर' बताते हुए स्मार्ट पुलिसिंग में उनकी अहम भूमिका को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में सुरक्षा के उत्कृष्ट वातावरण से ही सुशासन और विकास के लक्ष्य पूरे हुए। इस सुरक्षित माहौल के परिणामस्वरूप पिछले 09 वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में तीन गुना से अधिक का इजाफा हुआ। वर्ष 2017 से पूर्व की खराब कानून व्यवस्था का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश को दंगा और कर्फ्यू मुक्त बनाकर हर आम नागरिक, व्यापारी और महिलाओं को बिना भेदभाव के सुरक्षा की पूरी गारंटी दी। आज हर निवेशक उत्तर प्रदेश के हर सेक्टर में निवेश करने को उत्सुक है।

पुलिस बल के सुदृढ़ीकरण पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने पिछले 09 वर्षों में सवा दो लाख पुलिस कार्मिकों की भर्ती पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न की। हाल ही में 35,000 पुलिस आरक्षियों की भर्ती परीक्षा भी पूरी सफलता से आयोजित हुई। सरकार ने पुलिस ट्रेनिंग क्षमता को मात्र 3,000 से बढ़ाकर 60,000 तक पहुंचाया। साथ ही पुलिसकर्मियों के लिए बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और हाईराइज बैरक का निर्माण कर उनकी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

प्रदेश पुलिस को और अधिक आधुनिक बनाते हुए सरकार ने सात जनपदों में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया। इसके अलावा फॉरेंसिक लैब की संख्या 4 से बढ़ाकर 12 कर दी और प्रदेश के सभी 75 जनपदों में साइबर थाने स्थापित किए। मुख्यमंत्री जी ने गर्व के साथ बताया कि इन त्वरित और आधुनिक सुधारों के कारण ही प्रदेश में तीन नए कानून प्रभावी ढंग से लागू हुए और उत्तर प्रदेश पुलिस समय के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ी।

युवाओं के रोजगार पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब प्रदेश के युवाओं को नौकरी के लिए अन्य राज्यों की ओर नहीं देखना पड़ता। पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से 09 लाख से अधिक युवाओं ने सरकारी नौकरियां प्राप्त कीं। बेहतरीन निवेश और सुदृढ़ एमएसएमई सेक्टर ने भी लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि देश की टॉप तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर ग्रोथ इंजन बन चुका है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री जी ने नवचयनित अभ्यर्थियों से अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी और सतर्कता से निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्य के दौरान रील बनाने जैसी अनुशासनहीनता से सख्त परहेज करने की हिदायत दी। उन्होंने पूरा विश्वास जताया कि आधुनिक तकनीक से लैस होकर ये सभी डिजिटल वॉरियर प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने में सफल होंगे और प्रदेश के निरंतर विकास के मजबूत सारथी बनेंगे।